Chapter- 14

# बगीचे का घोंघा

## STUDY NOTES

**सरल तथा सहज भाषा में कहानी का वर्णन -**

**चिंतन-मनन** –हम जहाँ रहते हैं, उसके अलावा भी ऐसी बहुत-सी चीजें हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। उन्हें जानने के लिए हमें उस दुनिया को देखना तथा उसके बारे में जानना पड़ेगा।

**कहानी का वर्णन** – बहुत समय पहले की बात है। एक बगीचे में एक घोंघा बचपन से ही उस बगीचे में रहता था, वह कभी भी उस बगीचें के बाहर नहीं गया था, इस बजह से घोंघा अपने मन में यह सोचना था की न जाने बाहर की दुनिया कैसी होगी, वहाँ के लोग कैसे होगें। उस बगीचे की दीबार में एक छेद था। घोंघा रोज़ उस छेद को देखता और अपनी माँ की कही हुई बात को याद करता था, उसकी माँ उससे कहा करती थी, अगर तुमने ज्यादा बदमासी की तो मैं तुम्हें उस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी। घोंघा ने अपने मन में बहुत सोच विचार करने के बाद यह तय किया की वह बगीचे से बाहर जाकर बाहर की दुनिया को देखेगा और उसके विषय में जानेगा। यह सोचकर घोंघा ने अपना सारा सामान बाँध लिया और धीरे-धीरे चलने लगा कुछ ही पल में वह बगीचे से बाहर आ गया तब घोंघा ने अपनी नजर चारो तरफ घुमाई यह देखकर उसने अपने आप से कहा 'वाह, यह दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है।' अचानक उसी समय खड़-खड़ की आवाज़ आई। घोंघा डर के मारे जोर से चिल्लाया, 'उई' फिर वह अपने ऊपर जोर-जोर से हँसने लगा। उसने देखा एक सूखा पत्ता उसके ऊपर आ गिरा था। 'वाह, दुनिया तो कितनी मजेदार जगह है। थोड़ी दुर और चलने पर घोंघा ने बड़ी-बड़ी सड़के, बड़े-बड़े मैदान, बड़े-बड़े पेड़ इन सबको देखकर घोंघा की आँखें आश्चर्य से खुली की खुली रह गई। उसने कहा, 'वाह, सचमुच दुनिया कितनी अद्भुत जगह है, 'अंत में घोंघे ने तय कर लिया कि अब तो वह इस दुनिया में ही रहेगा।'

**कहानी की सीख** – इस कहानी से हमने यह सीखा की घर से बाहर-निकलकर ही संसार की विविधताओं को जाना तथा समझा जा सकता है।

**अभ्यास के लिए:**

**मौखिक-**

१. कम-से कम शब्दों में उत्तर दीजिए-

क) घोंघा कहाँ रहता था ?

उ - घोंघा बगीचे में रहता था।

ख) बगीचा कैसा था ?

उ - बगीचा छोटा था।

ग) घोंघा क्या सोचता रहता था ?

उ - घोंघा बाहर की दुनिया के बारे में सोचता रहता था।

**लिखित-**

२. सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए -

क) घोंघा बगीचे की दीवार के छेद से रोज़ बाहर निकल जाता था। (×)

ख) घोंघा बहुत तेज़-तेज़ चलता था। (×)

ग) घोंघा दीवार के छेद को रोज़ देखता था। (✓)

घ) घोंघा बगीचे की दुनिया में ही रहना चाहता था। (×)

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) घोंघा ने अपनी सारी ज़िंदगी कहाँ बिताई।

उ - घोंघा ने अपनी सारी जिदगी बगीचे में बिताई थी।

ख) घोंघा की माँ उससे क्या कहा करती थी।

उ - घोंघे की माँ उससे यह कहा करती थी की 'अगर तुमने ज्यादा बदमाशी की तो मैं तुन्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी।

ग) घोंघा क्यों डर गया ?

उ - घोंघा ने जब खड़-खड़ की आवाज़ सुनी और उसे लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है, तब वह डर गया।

घ) घोंघा ने दुनिया के सुंदर नज़ारे कहाँ से देखे ?

उ - घोंघा ने दुनिया के सुंदर नज़ारे बगीचे के बाहर जाकर देखा।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) घोंघा का सिर क्यों चकरा गया ?

उ - घोंघा का सिर एक लंबे पेड़ को देखकर चकरा गया क्योंकी घोंघा ने अपने जीवन में कभी भी इतना लंबा और बड़ा पेड़ नहीं देखा था।

ख) घोंघा को बाहर की दुनिया कैसी लगी और क्यों ?

उ - घोंघा को बाहर की दुनिया बहुत बड़ी सुंदर तथा अनोखी लगी क्योंकी घोंघा एक छोटे से बगीचे में रहता था, इससे पहले उसने इतनी बड़ी दुनिया नहीं देखी थी।

**भाषा-ज्ञान-**

५. पढ़िए और समझिए।

बहुत छोटा

पहली बार

ज़्यादा बदमाशी

पूरा आसमान

सूखी-भूरी पत्ती

इतना बड़ा

६. रेखांकित शब्द दिए गए शब्दों की विशेषता बताते हैं। इनके प्रयोग ने एक-एक वाक्य बनाइए।

क) बहुत – वह बहुत अच्छा इंसान है।

ख) पहली – मैं कल पहली बार नंदनकानन घुमने गया था।

ग) ज्यादा –हमें ज्यादा से ज्यादा समय पढ़ाई में बिताना चाहिए।

घ) पूरा आसमान – पूरा आसमान काले बादलों से ढँक गया है।

ङ) सूखी-भूरी – घोंघा सूखी-भूरी पत्तीयों के नीचे दव गया था।

च) इतना बड़ा – राधा शहर में इतना बड़ा पेड़ देखकर हैरान रह गई।

७. वचन बदलिए -

क) बगीचा - बगीचे

ख) दीवार - दिवारें

ग) आवाज़ - आवाज़ें

घ) चीटी - चीटियाँ

८. उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए।

क) ज्यादा - थोड़ा या कम

ख) तेज - धीमा या मंद

ग) पीछे - आगे

घ) बड़ा - छोटा

♦♦♦

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow